# बजट सत्र–2019 के समापन अवसर पर
# माननीय विधान सभा अध्यक्ष महोदय का उद्‌बोधन

**शुक्रवार 1 मार्च, 2019**

माननीय सदस्यगण, पंचम विधान सभा के प्रथम सत्र के समापन अवसर पर सदन के सुव्यवस्थित संचालन में सहयोग के लिए सर्वप्रथम सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष एवं आप सभी माननीय सदस्यों को हृदय से धन्यवाद देता हूँ।

पंचम विधान सभा के गठन उपरांत यह प्रथम सत्र था जो 4 जनवरी से 8 मार्च तक निरंतरता में आहूत था और आज दिनांक 1 मार्च को आहूत सत्र की समाप्ति का निर्णय लिया गया। इस सत्र में कुल 21 बैठकों में 108 घंटे 09 मिनट चर्चा हुई।

दिनांक 8 फरवरी 2019 को नवगठित सरकार ने अपना प्रथम बजट सदन में रखा तथा दिनांक 9 फरवरी और 10 फरवरी को पंचम विधानसभा के नवनिर्वाचित माननीय सदस्यों के लिये प्रबोधन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें देश और प्रदेश के ख्यातिलब्ध संसद्‌विदों ने आपको मार्गदर्शन दिया। प्रबोधन कार्यक्रम में पहली बार निर्वाचित सदस्यों के साथ–साथ वरिष्ठ सदस्यों ने भी भाग लिया, यह आप सबकी संसदीय ज्ञान वृद्धि में अभिरूचि को दर्शाता है । और आपके सीखने की यही ललक आपको एक कुशल जनप्रतिनिधि बनायेगी ऐसा मेरा विश्वास है ।

वैसे तो यह सत्र पंचम विधानसभा का प्रथम सत्र था बावजूद इसके आप सभी की सक्रिय सहभागिता से यह बिल्कुल महसूस नही हुआ कि यह प्रथम सत्र है। आप लोगों के परस्पर सौहार्द्र से यह सदन गौरवान्वित हुआ है आप सभी माननीय सदस्यगणों को इसके लिये मैं हृदय से बधाई देता हूं।

इस प्रथम सत्र की सदन की यह महत्वपूर्ण उपलब्धि रही कि चर्चा के विभिन्न माध्यम प्रश्नकाल, शून्यकाल और ध्यानाकर्षण के माध्यम से आप माननीय सदस्यगणों ने विस्तृत सार्थक चर्चा की। दिनांक **15 फरवरी 2019** को **स्कूल शिक्षा विभाग** से संबंधित **ट्राईबल रिसर्च इंस्टीट्यूट** के विषय में माननीय सदस्य **श्री अजय चन्द्राकर** जी द्वारा पूछे गये **प्रश्न क्रमांक 36** एवं दिनांक **20 फरवरी 2019** को माननीय सदस्य **श्री शैलेश पाण्डेय** द्वारा **बिलासपुर अण्डर ग्राउण्ड सीवरेज** के संबंध में पूछे गये प्रश्न क्रमांक **1024** पर आधे घंटे की चर्चा हुई, वहीं दिनांक **28 फरवरी 2019** को माननीय सदस्या **श्रीमती अंबिका सिंहदेव** द्वारा **कोरिया** जिले में **हाथी के आतंक** के विषय में रखे गये **ध्यानाकर्षण** क्रमांक **382** की गंभीरता एवं तात्कालिक महत्व को देखते हुए

प्रकरण को **प्रश्न एवं संदर्भ समिति** को सौंपा गया है। उपरोक्त बातों का उल्लेख करने का आशय यह है कि मेरा पूरा प्रयास है कि आपके द्वारा लोकहित के विषयों पर की जा रही चर्चा केवल चर्चा तक ही सीमित न रहे अपितु वह परिणाममूलक भी बनें।

यह सत्र कई मायनों में महत्वपूर्ण रहा । प्रथम सत्र में ही आप माननीय सदस्यों ने राज्य के विकास और उन्नति से जुड़े प्रत्येक विषय पर चर्चा के विभिन्न माध्यमों से सार्थक और सम्यक चर्चा की मुझे पूर्ण विश्वास है कि आपने जिन महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की है उससे प्राप्त निष्कर्ष भविष्य में छत्तीसगढ़ राज्य के समग्र एवं समावेषी विकास के लिये मार्गदर्शी सिद्ध होंगे और **गढ़बो नवा छत्तीसगढ़** की कल्पना को मूर्त रूप देने में सहायक होंगे।

इस अवसर पर आप माननीय सदस्यगणों से मेरा यह अनुरोध है कि आप सदन में परस्पर आरोप–प्रत्यारोप से स्वयं को बचाने का प्रयास करें क्योंकि इससे सदन की गरिमा प्रभावित होती है मैं यह मानता हूं कि आप सभी माननीय सदस्य मेरे इस विचार से सहमत होंगे कि सदन की गरिमा से ही हम सबका सम्मान जुड़ा हुआ है इसलिये आप सभी सदन की गरिमा और सम्मान के लिये सदैव सजग और समर्पित रहें।

पंचम विधानसभा में प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यों की संख्या भले ही कम है परंतु प्रतिपक्ष के माननीय सदस्यगणों ने अपनी वरिष्ठता और अनुभव से सदन में रहकर सजग प्रतिपक्ष की भूमिका का निर्वहन किया है, इस हेतु माननीय नेता प्रतिपक्ष और प्रतिपक्ष के सभी सम्माननीय सदस्यगणों को मैं बधाई देता हूँ तथा पक्ष के माननीय सदस्यगणों की भी विशेष रूप से प्रशंसा करना चाहता हूं कि आपने अपनी ही सरकार के माननीय मंत्री गणों से जिस तैयारी के साथ सवाल पूछे और जवाब चाहा वह आपके लिये एक कुशल जनप्रतिनिधि होने का प्रमाण है इसलिये मैं पक्ष के सभी माननीय सदस्यगणों विशेषकर नव–निर्वाचित सदस्यों की सराहना करता हूं।

हमारी यह पंचम विधानसभा संसदीय मूल्यों के विकास के लिये आप सबके सहयोग से अनेक नवाचारों को मूर्त रूप देने में सफल रही है। मेरी जानकारी के अनुसार छत्तीसगढ़ विधानसभा के लिये यह प्रथम अवसर था जब महिला बाल विकास विभाग की चर्चा पर पक्ष–प्रतिपक्ष की केवल महिला माननीय सदस्यों को अपनी बात रखने का अवसर दिया गया। सदन का यह निर्णय मातृशक्ति के प्रति सम्मान के भावों को प्रदर्शित करता है।

आप माननीय सदस्यगणों से यह अपेक्षा है कि इस सत्र के उपरांत जब आगामी सत्र आहूत हो तो आप इस बात का विशेष तौर पर ध्यान रखें कि संसदीय शासन व्यवस्था में विरोध का तो स्थान है परंतु अवरोध के लिये कोई जगह नहीं है असहमति के बीच सहमति को तलाशना ही लोकतंत्र की विशेषता है।

इस सत्र में दिनांक 21 फरवरी 2019 को मायाराम सुरजन फाउण्डेशन द्वारा **स्वास्थ्य प्रथम** विषय पर सारगर्भित परामर्श कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें विषय से संबद्ध विशेषज्ञों ने व्याख्यान दिया।

इस सत्र में दिनांक 26 से 28 फरवरी के मध्य स्वास्थ्य परीक्षण शिविर एवं स्वाइन फ्लू टीकाकरण कार्यक्रम आयोजित हुआ, आप सब इससे लाभान्वित हुए, मैं स्वास्थ्य मंत्री जी को उनकी इस पहल के लिये हृदय से धन्यवाद देता हूं।

अब मैं आपको इस बजट सत्र में सम्पादित हुए संसदीय कार्यों के संबंध में संक्षेप में सांख्यिकीय आंकड़ों से अवगत कराना चाहूँगा। इस सत्र की कुल 21 बैठकों में लगभग 108 घंटे 09 मिनट चर्चा हुई। कुल 15 प्रश्नकाल में 158 प्रश्न सभा में पूछे गए जिनके उत्तर शासन द्वारा दिए गए। इस प्रकार प्रतिदिन प्रश्नों का औसत लगभग 10.5 प्रश्नों का रहा। इस सत्र में तारांकित प्रश्नों की 1136 एवं अतारांकित प्रश्नों की 943 सूचना प्राप्त हुई। इस प्रकार कुल 2079 प्रश्नों की सूचनाएँ प्राप्त हुईं। इस सत्र में ध्यानाकर्षण की कुल 456 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें 120 सूचनाएं ग्राह्य हुईं और 29 सूचनाओं पर सदन में चर्चा हुई। इस सत्र में स्थगन की कुल 89 सूचनाएं प्राप्त हुई, जिसमें से 85 अग्राह्य रही तथा 4 ध्यानाकर्षण में परिवर्तित की गई । शून्यकाल की 118 सूचनाएँ प्राप्त हुईं जिसमें 101 सूचनाएं ग्राह्य और 20 सूचनाएं अग्राह्य रही। वर्तमान सत्र में 163 याचिकायें माननीय सदस्यों द्वारा प्रस्तुत की गई, जिनमें 37 ग्राह्य व 125 अग्राह्य और 1 याचिका विचाराधीन रही। 20 अशासकीय संकल्पों की सूचनाएं माननीय सदस्यों द्वारा दी गई । इस सत्र में विनियोग विधेयक सहित 10 विधेयकों की सूचनाएं प्राप्त हुई और सभी पारित हुए।

वित्तीय कार्यों के अन्तर्गत तृतीय अनुपूरक अनुमान पर 4 घंटे 48 मिनट, कृतज्ञता ज्ञापन प्रस्ताव पर चर्चा में 10 घंटे 20 मिनट, आय–व्ययक पर सामान्य चर्चा में 6 घंटे 44 मिनट, वर्ष 2019–20 के बजट की अनुदान मांगों पर 41 घंटे 36 मिनट चर्चा हुई तथा विनियोग विधेयक पर 4 घंटे 36 मिनट चर्चा हुई।

प्रदेश की सर्वोच्च प्रजातांत्रिक संस्था छत्तीसगढ़ विधान सभा के कार्यकरण से सीधे तौर पर आम जनता को भिज्ञ कराने के उद्देश्य से सदन की कार्यवाही के अवलोकन हेतु आम नागरिकों को अवसर दिया जाता है। इस तारतम्य में विभिन्न शासकीय/अशासकीय/शैक्षणिक संस्थाओं के 2216 एवं जनप्रतिनिधि संस्थाओं के लगभग 22484 लोगों ने इस सत्र में सदन की कार्यवाही का प्रत्यक्ष अवलोकन किया।

अन्त में बजट सत्र के समापन अवसर पर इस सत्र के सुचारू संचालन में सहयोग के लिये मैं सदन के नेता माननीय मुख्यमंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष तथा समस्त माननीय सदस्यों के प्रति पुनश्च हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ। आप सभी के समन्वित प्रयास से इस सदन का निर्बाध संचालन संभव हो पाया।

मैं इस अवसर पर सभापति तालिका के माननीय सदस्यों के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित करता हूँ, जिन्होंने सभा की कार्यवाही के संचालन में मुझे सहयोग दिया।

मैं सम्माननीय पत्रकार साथियों एवं प्रिंट एवं इलेक्ट्रानिक मीडिया के साथियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होंने सदन की कार्यवाही को बड़ी गंभीरता से प्रचार माध्यमों में प्रमुखता से स्थान देकर प्रदेश की जनता को सभा में सम्पादित कार्यवाही से अवगत कराया। रायपुर दूरदर्शन, आकाशवाणी एवं अन्य मीडिया प्रतिनिधियों के प्रति भी आभार व्यक्त करता हूँ, जिन्होने माननीय राज्यपाल महोदय के अभिभाषण, माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रस्तुत बजट भाषण का तथा प्रश्नकाल का जीवंत प्रसारण किया।

सत्र समापन के अवसर पर राज्य शासन के मुख्य सचिव सहित समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई देता हूं, सुरक्षा व्यवस्था में संलग्न अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी बधाई देता हूं जिन्होंने सुदृढ़ सुरक्षा व्यवस्था पूरे सत्र में कायम रखी।

मैं विधान सभा के सचिव सहित विधान सभा सचिवालय के समस्त अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भी प्रशंसा करता हूं, जिन्होंने अपने दायित्वों का निर्वहन कुशलता एवं निष्ठा के साथ किया।

सत्र समापन के अवसर पर आगामी सत्र की संभावित तिथि घोषित किए जाने की परंपरा रही है। तद्नुसार आगामी सत्र जुलाई माह के द्वितीय सप्ताह में संभावित है, आप सभी को **रंगोत्सव, होली पर्व 2019 की शुभकामनाएं** । कामना करता हूँ कि आप सभी का जीवन सुख–सफलता, समृद्धि के रंगों से सदैव रंगा रहे । आपके माध्यम से ही प्रदेश के समस्त नागरिकगणों को भी मैं आने वाले होली पर्व की सादर शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ। आइये, हम सब छत्तीसगढ़ के विकास के लिए कृत संकल्पित हों, इन्हीं भावनाओं के साथ ।

**धन्यवाद**

**जय हिन्द, जय भारत, जय छत्तीसगढ़**